पर्यावरण परिबोध पाठ्यक्रम

(पाठ्यक्रम कोड : ए सी ई)

पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से विकसित

कार्यक्रम दर्शिका

विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110 068

विषय-सूची

पृष्ठ संख्या

1. प्रस्तावना.. 4
2. पाठ्यक्रम घटक.. 4
3. पाठ्यक्रम अध्ययन की पद्धतियाँ 4
4. अवधि... 5
5. मुद्रित सामग्री... 5
6. संपर्क कार्यक्रम.. 6
7. परियोजना कार्य... 8
8. विद्यार्थी प्रतिपुष्टि.. 11

कवर फोटोग्राफ डॉ बिप्लब जमातिया, स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली-110 068 के सौजन्य से

1. प्रस्तावना

पर्यावरण का विषय आज लगातार लोगों का ध्यान आकृष्ट कर रहा है। ऐसा देखा गया है कि कई शिक्षाविद् अपने व्यवसायों में बहुत व्यस्त होने के बावजूद पर्यावरण संबंधी विषयों के बारे में जानने की तीव्र इच्छा रखते हैं। साथ ही वे आस-पास के क्षेत्र में पर्यावरण संबंधी प्रबंधन में अपना योगदान देना चाहते हैं। कभी-कभी किसी विषय संबंधी गलत जानकारी या अत्यधिक जानकारी के कारण, वे अपनी विषय विशेषज्ञता के बावजूद, अपना योगदान नहीं दे पाते। इन्हीं कारणों को ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय ने पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से इस पर्यावरण परिबोध पाठ्यक्रम (पाठ्यक्रम कोड : ए सी ई) को तैयार किया है। यह पर्यावरण संबंधी जागरूकता उत्पन्न करने वाला बिना क्रेडिट वाला पाठ्यक्रम है।

इस पाठ्यक्रम के निम्नलिखित उद्देश्य हैं :

- राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरणीय मुद्दों पर जानकरी का प्रसार करना ;
- उन व्यावसायिकों, शिक्षकों तथा समाज के सदस्यों में पर्यावरण संबंधी चेतना उत्पन्न करना जो कि समाज में पर्यावरण के लिए आम राय बनाने में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं ताकि पर्यावरण में सुधार संबंधी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा सके ; तथा
- उन व्यक्तियों में पर्यावरणीय नेतृत्व के विकास को बढ़ावा देना जो पर्यावरण उन्नति संबंधी कार्यक्रमों को आयोजित कर सकते हैं।

2. पाठ्यक्रम घटक

पाठ्यक्रम के अंतर्गत निम्नलिखित शामिल हैं।

i) स्वशिक्षण मुद्रित सामग्री ; तथा

ii) संपर्क कार्यक्रम जिसके भाग हैं :

- टेलीकान्फ्रेंसिंग सत्र,
- ऑडियो/विडियो एवं परामर्श सत्र, तथा
- परियोजना मूल्यांकन कार्यशाला।

इनसे संबंधित विस्तृत जानकारी भाग 5 तथा 6 में दी गई है।

3. पाठ्यक्रम अध्ययन की पद्धतियाँ

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन दो पद्धतियों से किया जा सकता है :

पद्धति - 1 जागरूकता सृजन पद्धति
पद्धति - 2 प्रमाणन पद्धति

पद्धति - 1 जागरूकता सृजन पद्धति

इस पद्धति द्वारा आप मुद्रित सामग्री का अध्ययन तथा उसमें दिए गए क्रियाकलापों को अपनी सुविधानुसार कर सकते हैं। इसमें आपको किसी औपचारिक मूल्यांकन प्रक्रिया से नहीं गुज़रना पड़ेगा। भाग 6 में वर्णित संपर्क कार्यक्रम के माध्यम से आप अपने शिक्षा के अनुभव को नवीनतम और ज्ञान सम्पन्न कर सकते हैं। हालांकि यह संपर्क कार्यक्रम वैकल्पिक है परन्तु इसमें आने से आपको लाभ ही होगा।

पद्धति - 2 प्रमाणन पद्धति

इस पद्धति में आपको प्रमाण पत्र अर्जित करने हेतु, मुद्रित सामग्री के अध्ययन के साथ साथ परियोजना कार्य भी सफलतापूर्वक करना होगा। परियोजना कार्य से संबद्ध जानकारी भाग 7 में विस्तार से दी गई है। यहां हम इस पद्धति द्वारा अध्ययन संबंधी कुछ बातें बताने जा रहे हैं। आप अपनी मुद्रित सामग्री का अध्ययन व प्रस्तावित क्रियाकलाप को दो महीनों में पूरा करने का लक्ष्य बना कर चलें। इससे आपको न केवल पर्यावरण संबंधी मूलभूत जानकारी प्राप्त होगी, बल्कि साथ ही साथ आपको अपने परियोजना कार्य के लिए उपयुक्त विषय चुनने में भी

मदद मिलेगी। परियोजना कार्य पूरा करने की निर्धारित तिथि तथा इस कार्य को परियोजना मूल्यांकन कार्यशाला में प्रस्तुत करने की पूर्व जानकारी से (देखें भाग 7) आपको आवश्यक तैयारी करने में सहायता होगी।

4. अवधि

इस पाठ्यक्रम की अवधि 3 माह है, और आपसे अपेक्षा की जाती है कि पाठ्यक्रम के सभी क्रियाकलाप आप इस अवधि में ही पूरा कर लें। यदि आप किन्हीं कारणों से इस अवधि में अपना परियोजना कार्य पूरा नहीं कर पाते तथा उसे अपने पंजीकरण चक्र की परियोजना मूल्यांकन कार्यशाला में नहीं प्रस्तुत कर पाते तो आपको एक और मौका दिया जाएगा। आप इस परियोजना कार्य को अगले चक्र में प्रस्तुत कर सकते हैं। परन्तु इसके लिए आपको अपने क्षेत्रीय निदेशक/ पाठ्यक्रम प्रभारी से पहले अनुमति लेनी होगी।

5. मुद्रित सामग्री

स्वशिक्षण शैली में तैयार की गयी मुद्रित सामग्री के तीन खण्ड हैं तथा प्रत्येक खण्ड की कुछ इकाइयां हैं। मुद्रित सामग्री विषय विशेषज्ञों, भाषा विशेषज्ञों तथा दूरस्थ शिक्षा विशेषज्ञों के व्यापक विचार विमर्श तथा सूक्ष्म परीक्षण के बाद तैयार की गई है। इन खण्डों की विषय-वस्तु का अंदाज़ा आप निम्नलिखित इकाई-शीर्षकों द्वारा लगा सकते हैं।

खण्ड-1	**पर्यावरण संबंधी चिंताएं**
इकाई 1	पर्यावरण क्यों आवश्यक है?
इकाई 2	प्राकृतिक संसाधन
इकाई 3	विकास और पर्यावरण
इकाई 4	विकास तथा पर्यावरण प्रदूषण
इकाई 5	पर्यावरण तथा मानव स्वास्थ्य

खण्ड-2	**पर्यावरण संबंधी प्रबंधन**
इकाई 6	पर्यावरण संरक्षण एवं प्रबंधन
इकाई 7	संसाधन प्रबंधन
इकाई 8	पर्यावरण गुणवत्ता प्रबंधन

खण्ड-3	**पर्यावरण संबंधी सुधार**
इकाई 9	पर्यानुकूली प्रौद्योगिकियाँ
इकाई 10	पर्यावरण नियमावली
इकाई 11	विश्वस्तरीय समस्याएं और चिंताएं

आइए, आपको पाठ्यक्रम खण्ड के फारमेट के बारे में अवगत कराएं।

खण्ड के पहले पृष्ठ पर उस खण्ड की इकाइयों की संख्या तथा शीर्षक दिए गए हैं। इसके बाद के पृष्ठ पर इस पाठ्यक्रम में योगदान देने वाले व्यक्तियों का उल्लेख है। इससे अगला पृष्ठ पाठ्यक्रम परिचय (पहले खण्ड में) तथा उसके बाद खण्ड परिचय है। प्रत्येक इकाई के अध्ययन के बाद आप जिस योग्य हो सकेंगे इसका वर्णन उद्देश्यों में किया गया है। इकाई के अंत में आपने अध्ययन के दौरान जो सीखा है उसे आत्मसात् व सुदृढ़ करने के लिए कुछ क्रियाकलाप सुझाए गए हैं। इसके बाद इकाई में बताई गई मुख्य बातों को सारांश में प्रस्तुत किया गया है तथा इकाई में दिए गए विभिन्न विषयों के बारे में और अधिक अध्ययन के लिए कुछ उपयोगी पुस्तकें सुझाई गई हैं। आपको सलाह है कि नवीनतम तथ्यों तथा आंकड़ों के लिए आप इन पुस्तकों के नवीनतम अंक ही देखें।

6. संपर्क कार्यक्रम

इस पाठ्यक्रम में एक तीन दिवसीय संपर्क कार्यक्रम भी शामिल है, जिसका विवरण आगे दिया जा रहा है। यह कार्यक्रम आपके क्षेत्रीय केन्द्र जहां आपने इस पाठ्यक्रम के लिए पंजीकरण किया है, पर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की समय संबंधी इस पूर्व जानकारी से आपको इसके लिए समय निर्धारित करने में सहायता होगी।

- **जनवरी-मार्च चक्र** के लिए संपर्क कार्यक्रम मार्च के तीसरे सप्ताह में बुधवार से शुक्रवार प्रातः 11:00 से दोपहर 2:00 बजे के बीच आयोजित होंगे। परियोजना मूल्यांकन कार्यशाला में यदि विद्यार्थियों की संख्या 15 से अधिक होगी तो शुक्रवार के दिन कार्यशाला की अवधि कुछ बढ़ सकती है।

- **जुलाई-सितम्बर चक्र** के लिए संपर्क कार्यक्रम सितम्बर के तीसरे सप्ताह में बुधवार से शुक्रवार, प्रातः 11:00 से दोपहर 2:00 बज़े के बीच आयोजित होंगे। जैसा कि ऊपर बताया गया है, परियोजना मूल्यांकन कार्यशाला में विद्यार्थियों की संख्या यदि 15 से अधिक होगी तो शुक्रवार के दिन कार्यशाला की अवधि कुछ बढ़ सकती है।

संपर्क कार्यक्रम अनुसूची

दिन	क्रियाकलाप
दिन-1, बुधवार	**टेलीकान्फ्रेंसिंग सत्र** सत्र 1 प्रातः 11:00 से 11:45 बजे तक सत्र 2 दोपहर 12:00 से 12:45 बजे तक सत्र 3 दोपहर 1:00 से 1:45 बजे तक (*इस एक-तरफा विडियो और दो-तरफा ऑडियो के प्रसारण द्वारा आपको इग्नू मुख्यालय में मौजूद विषय विशेषज्ञों, क्षेत्रीय केन्द्र में आमंत्रित विशेषज्ञों तथा पाठ्यक्रम सहपाठियों से सीधे बातचीत व अंतःक्रिया करने का अवसर मिलेगा।*)
दिन-2, बृहस्पतिवार	**ऑडियो-विडियो प्रोग्राम** *(आप इस **कार्यक्रम दर्शिका** में दी गई सूची से प्रोग्राम चुन सकते हैं।)* **तथा** **पर्यावरण विशेषज्ञ से अंतःक्रिया** (*यह निम्नलिखित के लिए एक उपयोगी अवसर है :* • *संकल्पनाओं का स्पष्टीकरण,* • *पर्यावरण प्रबंधन के क्षेत्र में उभरते हुए मुद्दे और नए विकास, तथा* • *विचारों और अनुभवों के आदान प्रदान के लिए।*)
दिन-3, शुक्रवार	**परियोजना मूल्यांकन कार्यशाला** *(इस सत्र में विद्यार्थियों द्वारा परियोजना रिपोर्टों के प्रस्तुतीकरण का सहभागी मूल्यांकन होगा जिसमें पर्यावरण विशेषज्ञ, क्षेत्रीय केन्द्र में इस पाठ्यक्रम के प्रभारी तथा सहपाठी भाग लेंगे।)*

ऑडियो/विडियो प्रोग्रामों की सूची *

ऑडियो प्रोग्राम

1. विकिरण : जीवन का एक तथ्य
2. अपारंपरिक ऊर्जा का विकास
3. जनसंख्या वृद्धि - समस्या और समाधान
4. वन पारिस्थितिक तंत्र

विडियो प्रोग्राम

1. एक नदी की कहानी
2. बंजर धरती – हरियाली की ओर
3. चेरापूंजी – एक अपवाद
4. संजीवनी – प्रकृति का अनुदान
5. चिलका : हमारी प्राकृतिक विरासत
6. मानव पर्यावरण पर शहरीकरण का प्रभाव
7. नृत्य-नाट्य : वसुघंरा
8. नृत्य-नाट्य : चिपको आंदोलन

* यह सभी प्रोग्राम विश्वविद्यालय वेबसाइट के निम्नलिखित लिंक से देखे/सुने जा सकते हैं।
www.ignou.ac.in > eGyanKosh > Video Archive (YouTube) > School of Sciences > Appreciation Course on Environment (ACE) - Audio / Appreciation Course on Environment (ACE) - Video

7. परियोजना कार्य

- प्रमाण-पत्र प्राप्त करने हेतु परियोजना रिपोर्ट तैयार करना तथा उसे परियोजना मूल्यांकन कार्यशाला में प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

- परियोजना कार्य करने के लिए दिशा-निर्देश तथा इसकी मूल्यांकन योजना नीचे दी गई है। परियोजना कार्य करने के लिए आप पर्यावरण से संबद्ध अपना मनपसंद व रुचि का विषय चुन सकते हैं। प्रत्येक इकाई में दी गई क्रियाकलापों की सूची में से कोई एक क्रियाकलाप परियोजना कार्य के लिए चुना जा सकता है।

  आप परियोजना कार्य के लिए लगभग 30 घंटों का समय निर्धारित कीजिए। हमारे अनुभव से इतना समय परियोजना कार्य के विभिन्न क्रियाकलापों जैसे कि विषय का चुनाव, तथ्यों तथा आंकड़ों की खोज एवं उनको एकत्रित करना, उपलब्ध जानकारियों का प्रस्तुतीकरण, और परियोजना अध्ययन के निष्कर्षों को परियोजना रिपोर्ट में प्रस्तुत करना, इत्यादि के लिए पर्याप्त है। परियोजना रिपोर्ट ए-4 साइज के 20-25 पृष्ठों में, हस्तलिखित या डबल स्पेस में टाइप की जा सकती है। परियोजना मूल्यांकन कार्यशाला से पूर्व आपको परियोजना कार्य की एक प्रति अपने क्षेत्रीय केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक/पाठ्यक्रम प्रभारी को जमा करवानी होगी।

  परियोजना कार्य के संपर्क कार्यक्रम के दौरान, परियोजना मूल्यांकन कार्यशाला में सहभागी मूल्यांकन किया जाएगा। इसमें क्षेत्रीय केन्द्र में पाठ्यक्रम प्रभारी, बाहरी विशेषज्ञ तथा आपके सहपाठी भाग लेंगे। आपको भाग 6 में दी गई अनुसूची के अनुसार इस कार्यशाला में अपने परियोजना कार्य पर एक लघु प्रस्तुतीकरण करना होगा। परियोजना कार्य मूल्यांकन योजना निम्नानुसार हैः

परियोजना कार्य मूल्यांकन की योजना

क्र.स.	परियोजना कार्य के पक्ष	अंक
1.	विषय .... (स्पष्ट, दिशात्मक, केंद्रित, संभव)	2
2.	उद्देश्य .... (प्राप्य, पता लगाये जा सकने वाले, परिमेय)	1
3.	क्रियाविधि .... (तथ्यों तथा आंकड़ों को इकठ्ठा करने की विधियाँ)	3
4.	परिणाम एवं निष्कर्ष .... (समस्या/विषय की समझ एवं विश्लेषण)	3
5.	सुझाव तथा कार्यवाही .... (कार्यवाहियों का तथा उन्हें निष्पादित करने वाले व्यक्तियों का उल्लेख)	2
6.	प्रस्तुतीकरण .... (परियोजना रिर्पोट, एवं परियोजना मूल्यांकन कार्यशाला दोनों में)	4
	कुल अंक	15

सफल परियोजना कार्य .... 8 या उससे अधिक अंक

आपके परियोजना कार्य के सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर तथा परियोजना कार्यशाला में भाग लेने के लिए प्रमाण पत्र क्षेत्रीय केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक द्वारा दिया जाएगा।

परियोजना कार्य के लिए कुछ विषय

1. परियोजना कार्य के लिए श्रेष्ठ विषय वही है जिसमें आपकी रुचि है जिससे कि आपका ध्यान उसके गहन अध्ययन तथा विश्लेषण पर केन्द्रित हो सके।
2. पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई में कई क्रियाकलाप दिए गए हैं। इनमें से एक को आप अपने परियोजना कार्य के लिए चुन सकते हैं।
3. यदि आपकी अभिरुचि चित्रकारी की ओर है तो आप प्रकृति या उसके विभिन्न घटकों जैसे कि हवा, पानी, ऊर्जा, पादप जीवन, पक्षी, जन्तु, प्राकृतिक दृश्य इत्यादि के सूक्ष्म विवरण इस माध्यम से भी अभिव्यक्त कर सकते हैं। कलाकार अपनी संवेदनशील प्रकृति से विषय की उन बारीकियों को महसूस कर लेते हैं जो कई व्यक्तियों से अछूती रह जाती हैं।
4. कविता लिखना या पर्यावरण संबंधी कविताओं का संग्रह करना जो विभिन्न पर्यावरण संबंधी मुद्दों, समस्याओं और यहां तक की उनके समाधान से संबंधित अनुभूति को प्रतिबिम्बित करता है, परियोजना का एक अन्य क्षेत्र है।
5. फ़ोटोग्राफी – वन्यजीवन या पर्यावरण या फिर प्रकृति के किसी पहलू या दृश्य को फ़ोटो के रूप में संजों कर रखा जा सकता है। संक्षिप्त विवरण के साथ इस प्रकार का फोटो संग्रह एक परियोजना कार्य हो सकता है।
6. पर्यावरण से संबंधित किसी पुस्तक की समीक्षा एक अन्य क्षेत्र है। इस पाठ्यक्रम की इकाइयों के अंत में दिए गए संदर्भों की सूची या फिर अखबारों या जर्नलों जो कि पर्यावरण से संबद्ध नई प्रकाशित पुस्तकों की जानकारी नियमित रूप से देते हैं – इनमें से आप एक रोचक पुस्तक इस कार्य के लिए चुन सकते हैं।
7. मेट्रो-ट्रेन परियोजना के अंतर्गत हुए निर्माण कार्यों के स्थानीय पर्यावरण पर प्रभावों का अध्ययन – एक क्षेत्र (फील्ड) में किया जाने वाला परियोजना कार्य का विषय हो सकता है।
8. अपने अनुभव से लगभग पिछले 25 वर्षों में मौसम में हुए परिवर्तनों को भी आप परियोजना कार्य का विषय बना सकते हैं। इस विषय पर आप अपने परिवार के सदस्यों या अपने पड़ोसियों इत्यादि से भी विचार विमर्श कर सकते हैं जिससे आपको अपने प्रेक्षणों को सुचारू और सुदृढ़ रूप से प्रस्तुत करने में मदद मिल सकती है।
9. पर्यावरण के किसी पहलू पर एक लघु फिल्म बनाना भी एक साहसिक व उत्साहवर्धक परियोजना कार्य हो सकता है।
10. आपके द्वारा अनुभव किए गए पर्यावरण संबंधी किसी मुद्दे या समस्या के समाधान सहित केस अध्ययन तैयार कर परियोजना कार्य कर सकते हैं।
11. आप भारत की पर्यावरण नीति का अध्ययन एवं समीक्षा भी कर सकते हैं। नीति संबंधी इस दस्तावेज़ को आप पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की वेबसाइट http://www.envfor.nic.in से डाउनलोड कर सकते हैं।
12. या फिर एक पर्यावरण संबंधित अख़बार का डिज़ाइन तथा रूपरेखा तैयार करके इसके नियमित प्रकाशन के तरीकों को सुझाते हुए अपना परियोजना कार्य तैयार कर सकते हैं।

13. एक और परियोजना कार्य विकल्प है कि आप किसी समुदाय के लिए टिकाऊ जीवन शैली बताने के लिए पर्यावरणीय अभियान का मसौदा तैयार करें।

14. विभिन्न पारिस्थितिक प्रतिद्वन्दों से निपटने के लिए प्रबंधन के तरीकों पर विवेचना – जैसे कि आदिवासियों का उनके मूलनिवास स्थान से पुर्नवास, स्थानीय व्यष्टियों को प्राकृतिक संसाधनों का उपलब्ध ना होना, किसी क्षेत्र के पर्यावरण पर विश्वीकरण का प्रभाव इत्यादि भी आपके परियोजना कार्य के विषय हो सकते हैं।

15. सतत् वन्यजीवन संरक्षण के लिए उपायों की योजना बनाना भी परियोजना कार्य का एक रोचक विषय हो सकता है।

❄❄❄❄❄

8. विद्यार्थी प्रतिपुष्टि

प्रिय विद्यार्थी,

इस पाठ्यक्रम के डिज़ाइन, रूपरेखा या बोधगम्यता के संबंध में हम आपकी प्रतिपुष्टि चाहते हैं। इन पहलुओं के अतिरिक्त किसी अन्य पहलू पर प्रतिपुष्टि का भी स्वागत है।

सधन्यवाद,

भवदीय
पाठ्यक्रम संयोजक (ए सी ई)

प्रतिपुष्टि लिखने के लिए स्थान

प्रतिपुष्टि लिखने के लिए स्थान

इसे यहां मोड़िए

कृपया यहाँ
डाक टिकट
लगाएं

सेवा में

पाठ्यक्रम संयोजक

पर्यावरण परिबोध पाठ्यक्रम (ए सी ई)

विज्ञान विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी

नई दिल्ली -110068

इसे यहां मोड़िए

भेजने वाले की नामांकन संख्या तथा पता